रस बनारस

अर्थात्

जिसके देखने से तमाम बनारस का हाल
घर बैठे मालूम होजाय।

श्री युत बाबू अमीर सिंह साहब की सम्मति से
श्री पण्डित गोपाललाल मथुरानिवासी ने
लावण्य छन्द में निर्मित किया।

बनारस

महल्ला नेपाली खपरा
हरिप्रकाश यन्त्रालय में चौथीबार मुद्रित हुआ।

चतुर्थ संस्करण] [दाम)॥